संयोजक समिति

संरक्षक

1. श्री विनीत गोयल
   सचिव, माडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्ट्डीज
2. श्री योगेश गर्ग
   कोषाध्यक्ष, माडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्ट्डीज

संयोजिका

3. डा0 निशा सिंह
   प्राचार्या, माडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्ट्डीज

सहसंयोजक

4. डा0 धीरज सिंह
   विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग,
   माडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्ट्डीज

आयोजन समिति

डा0 मंजू सिंह
डा0 कनक रानी
डा0 रचना कान्त
डा0 सुबोध बाला गुप्ता
डा0 रेखा शर्मा
डा0 किरन जोशी
श्रीमती मोनिका बन्सल
कु0 नेहा बन्सल
श्रीमती हरीतिमा दीक्षित
श्रीमती मनीषा सिंह
श्रीमती रजनी कौशिक
श्रीमती सीमा
श्री आशीष सिंह
श्रीमती सोनी कटियार
श्रीमती आशा शर्मा
श्रीमती शिप्रा
श्री अनुज कुमार शर्मा
श्री अरविन्द पाण्डेय
श्री विजेन्द्र सिंह
श्री गौरव शर्मा
श्रीमती मेघा गुप्ता
श्रीमती राखी शर्मा
श्रीमती संगीता
कु0 प्रवांशी यादव

पंजीकरण प्रपत्र

नाम – ....

पद नाम – ....

विभाग एवं महाविद्यालय – ....

पता – ....

शोध पत्र का शीर्षक – ....

मोबाइल नं0 – ....

ई–मेल आई0डी0– ....

पंजीकरण शुल्क का विवरण – ऑन लाइन/नकद/बैंक ड्रॉफ्ट

दिनांक :– ....

हस्ताक्षर :– ....

ऑनलाइन भुगतान का विवरण

बैंक का नाम :– ....

दिनांक :– ....

यू0टी0आर0/संदर्भ सं0 :– ....

कार्यक्रम की रूप रेखा

09:00 AM TO 10:00 AM -------------- पंजीकरण
10:00 AM TO 11:00 AM -------------- उद्घाटन सत्र
11:00 AM TO 11:15 AM -------------- जलपान
11:15 AM TO 01:30 PM -------------- प्रथम तकनीकी सत्र
01:30 PM TO 02:00 PM -------------- भोजनावकाश
02:00 PM TO 04:30 PM -------------- द्वितीय तकनीकी सत्र
04:30 PM TO 05:00 PM -------------- समापन समारोह

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

"पं0 दीन दयाल उपाध्याय प्रणीत
एकात्म मानव दर्शनः एक सम्पूर्ण जीवन विमर्श"

08 अप्रैल 2018 दिन रविवार

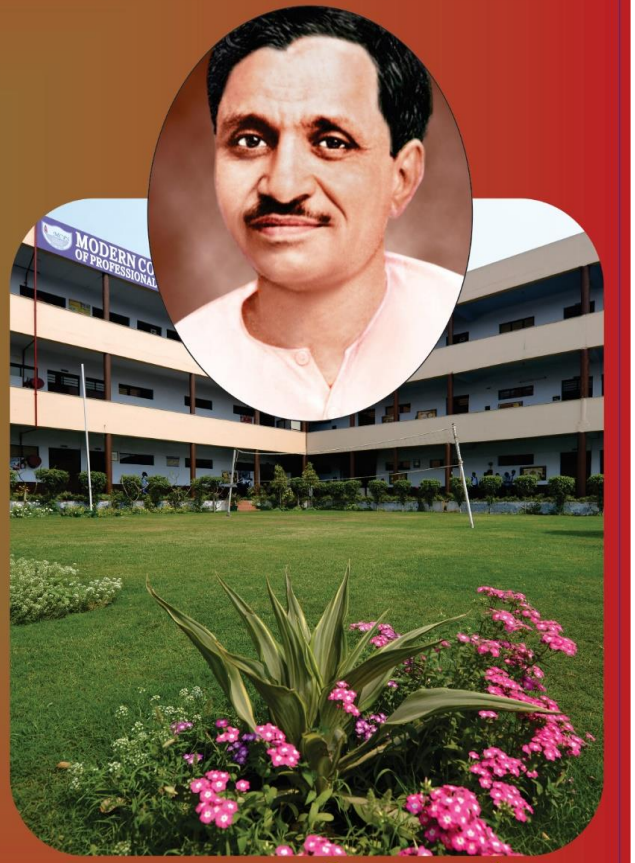

मॉडर्न कॉलेज
ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज

आनन्द औद्योगिक क्षेत्र, मोहन नगर, जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश
फोन नं0 –0120 4900197 मेबाइल नं0 – 9711149573, 9711149575
वेबसाइट:– www.moderncollege.org
ई–मेलः– info@moderncollege.org

संस्था का परिचय

माडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज आनन्द औद्योगिक क्षेत्र, मोहन नगर, जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में स्थित है । यह एक सहशिक्षा महाविद्यालय है जो चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से सम्बद्ध है ।

महाविद्यालय की स्थापना का श्रेय गाजियाबाद के कुछ प्रबुद्ध शिक्षाविदो एवं सामाजिक कार्यकर्ताओ को जाता है जिन्होंने अपने क्षेत्र में उच्च शिक्षा के संस्थान की आवश्यकता को महसूस करते हुए महाविद्यालय की स्थापना हेतु पहल की । इसी पहल के परिणाम स्वरूप महाविद्यालय की स्थापना सामाजिक संस्था "गणेश शिक्षा समिति" के प्रयासो से 03 जुलाई 2003 में सम्पन्न हुई । महाविद्यालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा सैक्शन 2(f) एवं 12(B) के अर्न्तगत पंजीकृत है ।

बदलते समय समाज व राष्ट्र की वर्तमान आवश्यकताओ को महाविद्यालय ने महसूस किया और निर्णय लिया ऐसे पाठ्यक्रमो के संचालन का जिसके माध्यम से समाज व राष्ट्र की नवीन आवश्यकताओं एवं बदलते परिदृष्य के अनुरूप आधुनिक, प्रबुद्व व स्मार्ट शिक्षक, कुशल मैनेजर्स एवं टैक्नोक्रेट्स तैयार किये जा सके जिससे राष्ट्र व समाज को सशक्त और समृद्ध बनाने मे उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो सके । इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय मे शिक्षको के प्रशिक्षण हेतु तीन पाठ्यक्रमों क्रमशः एम0एड0,बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 साथ ही कुशल प्रोफेशनल तैयार करने के लिए बी0बी0ए0 एवं बी0सी0ए0 पाठ्यक्रमो का संचालन किया जा रहा है ।

महाविद्यालय युवाओं में स्वतन्त्र विचार करने की क्षमता विकसित करने, विपरीत परिस्थितियों और चुनौतियो का सामना करने, उपलब्ध अवसरो को अनुकूल बनाने, राष्ट्र समाज व परिवार के प्रति उत्तरदायित्व के निर्वहन हेतु सक्षम एवं आत्म निर्भर बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है । अनुशासित जीवन, सभी को सम्मान, सेवा, सहयोग व सदाचार का ध्येय लेकर महाविद्यालय इस दिशा में सतत् प्रयासरत है ।

"पं0 दीन दयाल उपाध्याय प्रणीत एकात्म मानवदर्शनः एक सम्पूर्ण जीवन विमर्श"–एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

25 सितम्बर 1916 में जन्में पं0 दीन दयाल उपाध्याय एक महान विचारक, कुशल संगठनकर्ता, अद्भुत वक्ता, राष्ट्रभक्त, अद्वितीय मेधा के धनी, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, युगद्रष्टा के रूप में जाने जाते है । स्वतन्त्रता के बाद देश में नई व्यवस्था स्थापित हुई, देश प्रगति पथ पर आगे बढ़ा लेकिन, अनेक अवरोध और समस्यायें नये रूप लेकर राष्ट्र के सम्मुख बनी रही ।

पं0 दीन दयाल उपाध्याय ने राष्ट्र के प्रखर व सजग प्रहरी के रूप में उन समस्याओ को समझा व अनुभूत किया । सभी राष्ट्रीय समस्याओं के निस्तारण के लिए वह सतत् प्रयत्नशील रहे और सभी का तार्किक हल भी उन्होने प्रस्तुत करने का प्रयास किया । उनके सभी तार्किक व वैचारिक चिन्तन को एकात्म मानवदर्शन के नाम से जाना जाता है ।

एकात्म मानवदर्शन प्राचीन भारतीय दर्शन से उद्धृत है इसके माध्यम से पं0 जी ने राष्ट्र को एक नई दिशा देने का प्रयास किया और युगानुकूल सामाजिक संरचना प्रस्तुत की । उन्होंने भारतीय सामाजिक जीवन के सभी पक्षो पर विचार करते हुए देश की कृषि एवं अर्थव्यवस्था पर विशेष ध्यान और सुधार की बात कही । ग्रामोदय एवं अंत्योदय द्वारा राष्ट्रोत्थान, राष्ट्र, समाज व व्यक्ति स्वावलम्बन उनके विचार के केन्द्र बिन्दु थे ।

यदि वास्तव में देखा जाये तो एकात्म मानवदर्शन का प्रतिपादन कर पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी ने भारत से भारत का परिचय कराने का एक सार्थक प्रयास किया व एक ऐसे राजनेता के रूप में जाने जाते हैं जो अपने समर्थकों के साथ ही विरोधियों में भी समान रूप से आदरणीय थे ।

सम्पूर्ण राष्ट्र में पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की जन्म शताब्दी का आयोजन भिन्न प्रकार से किया जा रहा है । माडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज मे भी पं0 दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानवदर्शन से परिचित कराने के लिए एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की योजना तैयार की है जिसका शीर्षक है – "पं0 दीन दयाल उपाध्याय प्रणीत एकात्म मानवदर्शनः एक सम्पूर्ण जीवन विमर्श"

उपशीर्षक

1. एकात्म मानव दर्शन : भारतीय स्रोत ।
2. एकात्म मानव दर्शन एक व्यावहारिक दर्शन के रूप में ।
3. पं0 दीन दयाल उपाध्यायः एक स्वप्न द्रष्टा, राष्ट्रभक्त, एवं युग नायक के रूप में ।
4. एकात्म मानवदर्शन एवं राजनैतिक व्यवस्था ।
5. एकात्म मानवदर्शन एवं आर्थिक विकास ।
6. एकात्म मानवदर्शन एवं शिक्षा व्यवस्था ।
7. एकात्म मानवदर्शन एवं प्रबन्धन ।
8. एकात्म मानवदर्शन एवं प्रकृति, समाज, स्वास्थ्य व शान्ति ।
9. एकात्म मानवदर्शन एवं ग्रामोदय अन्त्योदय व राष्ट्र विकास ।
10. एकात्म मानवदर्शन पर आधारित स्वयं सेवी संगठनों (जैसे दीन दयाल शोध संस्थान) की शैक्षिक भूमिका ।

शोध पत्र सारांश एवं शोध पत्रों का प्रेषण

उपरोक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता हेतु प्राध्यापकगण, विद्वतजन ,शोध छात्र/छात्रा सादर आमंत्रित है । शोध पत्र सारांश लगभग 200 से 250 शब्दों तक हिन्दी भाषा में (Kruti Dev 010) में एवं अग्रेजी भाषा मे (Times New Roman, Font Size 12 MS Word) दिनाँक 19 मार्च 2018 तक प्रेषित कर सकते है एवं पूर्ण शोध पत्र (3000 से 4000 शब्दो में) दिनाँक 27 मार्च 2018 तक प्रेषित कर सकते है । शोध पत्र एवं सारांश मे शीर्षक, लेखक का पूर्ण विवरण एवं सन्दर्भ आदि निहित होना चाहिए । शोध पत्र एवं शोध सारांश प्रेषित करने हेतु ई–मेल आईडी0 है– mcpsseminar2018@moderncollege.org

पंजीकरण शुल्क विवरण

प्राध्यापक, शिक्षाविद् – 600/–
शोध छात्र –400/–
छात्र/छात्रा – 300/–

पंजीकरण शुल्क आनलाइन निम्न बैंक खाते में जमा किया जा सकता है –

बैंक का नाम – Oriental Bank of Commerce
शाखा– Karehra, Mohan Nagar Ghaziabad
खाता संख्या – 02721131003026
IFSC – ORBC0100272

डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से शुल्क जमा करने हेतु Modern College of Professional Studies के पक्ष में जो Ghaziabad में देय है

नोटः–

सभी प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वह अपने साथ अपने शोध पत्र की हार्ड कॉपी अवश्य लायें एवं महाविद्यालय में जमा करें ।

इच्छुक प्रतिभागी महाविद्यालय परिसर में तत्काल पंजीकरण करा सकते है।

प्रतिभागियों को यात्रा व्यय स्वयं वहन करना होगा।

प्रतिभागी आवासीय सुविधा अपने स्तर पर सुनिश्चित करें। पूर्व सूचना पर आयोजक आवास की व्यवस्था कर सकते हैं, जिसका भुगतान प्रतिभागी स्वयं करेगा।